# पटना विश्वविद्यालय
# Patna University

Estd. 1917

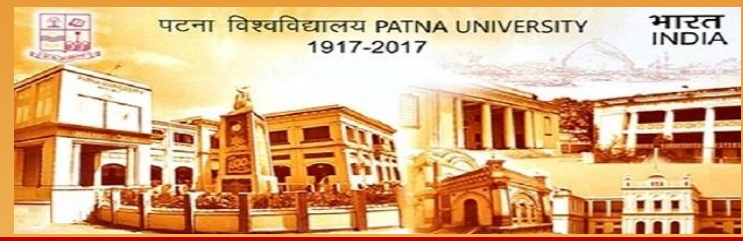


## Patna University In News (28.08.2022)

### डॉ हेलेन मायर्स ने भोजपूरी लोकसंगीत से जुड़ी जानकारी दी

**पटना.** मगध महिला कॉलेज में स्पेशल लेक्चर का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के तौर पर भोजपुरी लोकसंगीत की जानकार इंग्लैंड की डॉ हेलेन मायर्स थीं. उन्होंने भोजपुरी लोकसंगीत की कलात्मक विशेषता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भोजपुरी केवल बिहार और उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे विश्व भर में प्रख्यात है. आयोजन कॉलेज की प्राचार्या डॉ नमिता कुमारी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संगीत विभाग के एचओडी डॉ अरविंद कुमार और डॉ नीरा चौधरी का भरपूर सहयोग मिला.

प्रभात खबर Sun, 28 August 2022 https://epaper.prabhatk

### पटना विवि 2022-23 सत्र से ही लागू करेगा सीबीसीएस

संवाददाता, पटना

नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के पहले स्नातक स्तर पर भी च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम या सीबीसीएस लागू करना अनिवार्य है और इसी को ध्यान में रखते हुए पटना विश्वविद्यालय सत्र 2022-23 से लागू करने जा रहा है. ये बातें शनिवार को पटना विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में हुई एक कार्यशाला में कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने कही. च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम या सीबीसीएस पर यह कार्यशाला आयोजित की गयी थी. कार्यशाला में आइक्यूएसी पटना विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ वीरेंद्र कुमार ने सीबीसीएस पर विस्तृत रूपरेखा पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुत की. इसमें उन्होंने बताया कि 26 विषयों का सिलेबस तैयार किया है. इसका क्रेडिट स्कोर 140 है. उन्होंने बताया की आज के समय की जरूरत है स्किल एजुकेशन, जिसमें कई अतिरिक्त विषय भी पढ़ाये जायेंगे. इसमें विद्यार्थियों को अपनी मर्जी के हिसाब से विषय चुनने की आजादी होगी.

कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रो अनिल कुमार ने कुलपति को शिक्षकों की ओर से आश्वासन दिया कि सभी शिक्षक विश्वविद्यालय को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में हर संभव आपको सहयोग करेंगे.

प्रभात खबर Sun, 28 August 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com/c

दैनिक भास्कर ई-पेपर 28-08-2022

न्यूज ब्रीफ

### स्नातक स्तर पर भी सीबीसीएस लागू करना अनिवार्य : कुलपति

**पटना** | पटना विश्वविद्यालय के सीनेट हाल में सीबीसीएस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी थे। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत किया। इस मौके पर कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने से पहले स्नातक स्तर पर भी सीबीसीएस लागू करना अनिवार्य है। पटना विश्वविद्यालय भी सत्र 2022-23 से सीबीसीएस लागू करने जा रहा है। यह हमारे शिक्षकों के सहयोग से ही संभव होगा। रिसर्च की बातों पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों के चार मुख्य कार्य टीचिंग, रिसर्च, एडमिनिस्ट्रेशन और सामाजिक निर्माण में अपना सहयोग देना चाहिए।

8/29/22, 4:27 PM Jagran eP

### डा. आरके सिन्हा ने शोध से विश्व में प्राप्त की ख्याति

पीयू में डा. आरके सिन्हा पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलपति • जागरण

**जागरण संवाददाता, पटना** : पटना विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग में डा. आरके सिन्हा मेमोरियल लेक्चर हुआ। उद्घाटन पटना विश्वविद्यालय के कुलपति डा. गिरीश कुमार चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि डा. आरके सिन्हा 1937 में पटना कालेज में व्याख्याता नियुक्त हुए तथा 1946 में शोध कार्य करने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन गए। उन्होंने क्राइस्ट चर्च, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डेविड सेसिल के मार्गदर्शन में लिट्रेरी इनफ्लूएंसेस आन डीएच लारेंस विषय पर 1949 में शोध प्रबंध जमा किया तथा 1950 में वापस आए।

1952 से 1978 तक अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष रहते हुए पठन -पाठन एवं शोध कार्यों द्वारा पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त किया। उनके जैसे शिक्षकों के कारण ही पटना विश्वविद्यालय का इतिहास गौरवशाली रहा है। आरके सिन्हा मेमोरियल के सचिव डा. समीर कुमार शर्मा ने डा. सिन्हा के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं अंग्रेजी में उनके योगदान व शिक्षकों एवं छात्र- छात्राओं के ऊपर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला। तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर के पूर्व कुलपति डा. रामाश्रय यादव ने उनके भावनात्मक तत्वों पर चर्चा की। कार्यक्रम में बीएन मंडल विवि के पूर्व कुलपति डा. केपी सिंह, डा. शिव जतन ठाकुर, डा. राधा मोहन सिंह ने विचार व्यक्त किया।

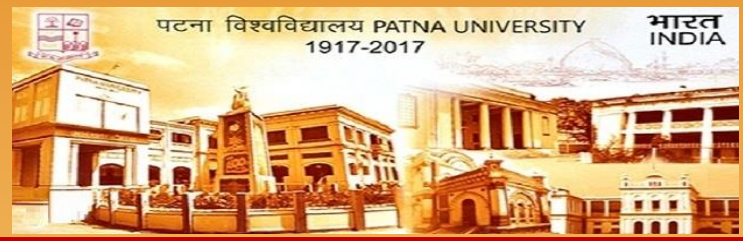


# Patna University In News (28.08.2022)

8/29/22, 4:26 PM Jagran ePaper

## अब जो अध्यापक पढ़ाएंगे, वही प्रश्नपत्र तैयार कर परीक्षा लेंगे

### वीसी बोले, कोशिश करें कि छात्र फेल न हों, अंक देने में सामान्य भाव रखें

- कुलपति खुद कालेजों का निरीक्षण करेंगे, कक्षा में भी जाएंगे
- कहा, क्लास नहीं आने वाले छात्रों को शिक्षक मोटिवेट करें

सीबीसीएस कार्यशाला में शिक्षकों संबोधित करते पीयू के कुलपति प्रो. गिरीश ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने कहा कि 2022 से स्नातक पाठ्यक्रमों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू हो गया है। इसलिए अब शिक्षकों को इसके नियमों के अनुसार का काम करना होगा। उन्होंने ये बातें शनिवार को व्हीलर सीनेट हाल में सीबीसीएस पर कार्यशाला में कहीं। इस कार्यक्रम में विवि के तमाम शिक्षक मौजूद थे।

कुलपति ने शिक्षकों को बताया कि सीबीसीएस के नियम के तहत शिक्षकों की प्रश्न तैयार करना होगा और परीक्षाएं लेनी होगी। संबंधित विषयों के सीनियर शिक्षक गेस्ट फेकल्टी के साथ टीम तैयार कर परीक्षा का प्रश्न तैयार करेंगे। वहीं, प्रश्न परीक्षा में पूछे जाएंगे। यह ध्यान रखना होगा कि प्रश्न लीक न हो, यह शिक्षकों की जिम्मेवारी होगी। कापियों की जांच यहीं के शिक्षक करेंगे। कोशिश करनी होगी कि एक-दो अंक के कारण छात्र परीक्षा में फेल न हो। कापियों की जांच में अंक देने में कंजूसी नहीं करें। सभी को अंक सामान्य भाव से दें। शिक्षक यह देखेंगे कि छात्र प्रतिदिन के क्लास में शामिल हों। क्लास में शामिल नहीं वाले बच्चों को मोटिवेट करें। सभी छात्रों को सामान्य से भाव देखें। सीबीसीएस का सारा पावर शिक्षकों को दिया गया है। विभागीय स्तर पर प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रों का पंजीयन होगा। इसमें बच्चे लिखेंगे वे कौन-कौन विषय पढ़ रहे हैं। कुलपति ने कहा कि सत्र पीछे चल रहा है। इसे सभी को ठीक करना होगा। कहा कि वे खुद समय-समय पर कालेजों का निरीक्षण करेंगे और क्लास में भी जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों को आगाह किया कि शिक्षण कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। शिक्षक कार्रवाई करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। कुलपति ने शिक्षकों से रिसर्च पर विशेष ध्यान देने की बात कही। अतिथियों का स्वागत प्रो अनिल कुमार ने किया। मौके पर प्रतिकुलपति प्रो अजय कुमार, कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार, कुलानुशासक प्रो रजनीश कुमार, पूटा महासचिव डा. अभय कुमार आदि मौजूद थे।

Printed from
THE TIMES OF INDIA

## 'Patna University to implement New Education Policy soon'

TNN | Aug 28, 2022, 06.26 AM IST

PATNA: Patna University (PU) is gearing up to implement the New Education Policy (NEP), 2020 in its curriculum framework. Keeping this in view, the university has introduced a choice-based credit system (CBCS) in all its undergraduate academic programmes from the current academic session (2022-23) itself, said vice-chancellor Girish Kumar Chaudhary on Saturday.

Speaking as the chief guest at a workshop on CBCS held at the historic Wheeler Senate House here, the VC said the success of the CBCS programme along with other provisions of the NEP would depend upon the sincerity and devotion of university teachers. He said the teachers of this premier university have always risen to the occasion and taken up the challenges in the right earnest. He hoped that the teachers, especially the younger ones, would work hard to implement the new system properly and restore the old glory of this university in the academic world. Chaudhary called upon the teachers to concentrate on teaching, research, administrative work and social service to ensure their personal development as well as the all-round progress of the society they live in.

Giving details of the newly introduced CBCS curriculum, PU's internal quality assurance cell (IQAC) director Birendra Prasad said the syllabi of as many as 26 subjects taught at the undergraduate level with a credit score of 140 each have been prepared in the larger interest of students. Keeping in view the requirements of the present day society, inputs of skill education have also been adequately added in the syllabi, he said.

PU pro-VC Ajay Kumar Singh said all the components of CBCS like continuous internal assessment (CIA) based on mid-term assessment, seminars and quiz, etc would have to be completed timely so that the syllabi are completed well before the commencement of the semester examinations. "It is the duty of the teachers to help maintain the academic calendar of the university," he said.

PU students' welfare dean Anil Kumar welcomed the guests. PU proctor Rajnish Kumar, registrar Kamesh Kumar, heads of postgraduate departments, principals of colleges besides a large number of university teachers and employees attended the workshop.